सांस लेने के तरीके. 21

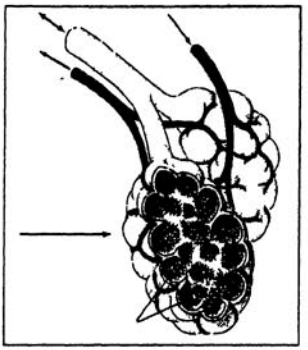

फेफड़ों में सोखी गई ऑक्सीजन शरीर की हर कोशिका तक पहुंचती है, ताकि भोज्य पदार्थों का ऑक्सीकरण हो सके; इस क्रिया में ऊर्जा पैदा होती है। यह ऊर्जा जीवन का आधार है। तो श्वसन का मतलब सिर्फ हवा का अंदर-बाहर होना ही नहीं है। जीवों में इसी ज़रूरत को पूरा करने के लिए तरह-तरह के श्वसन तंत्र विकसित हुए हैं। लेकिन श्वसन हो पाए इसके लिए कुछ शर्तें पूरी होना ज़रूरी है। श्वसन के बारे में गहन जानकारी देता लेख।

सवालीराम 61

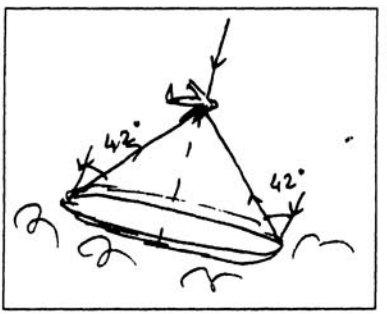

इंद्रधनुष को लेकर कौतूहल हमेशा बना रहता है। बरसात का मौसम आया नहीं कि आसमान में इसका दिखाई पड़ना आम हो जाता है; इसका बनना प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन की ही घटना है, बस इसके बनने की परिस्थितियां कुछ अलग होती हैं।
सवालीराम ने बूझी है इस बार इंद्रधनुष बनने की गुत्थी।

कौन ऐसी महिला है. . . ? 69

मौत को आमंत्रित करने की प्रथा भारत के किसी अन्य धार्मिक संप्रदाय में सशक्त रूप से विकसित नहीं हुई; लेकिन जैन धर्म में एक समय में ऐसी एक प्रथा यानी 'सल्लेखन' काफी प्रचलित थी। लोग एक खास पहाड़ी पर आते; व्रत लेते और अपने प्राण छोड़ देते। लेकिन 14-15 वीं सदी तक आते-आते यह लुप्तप्राय हो गई। जैन धर्म के इसी पहलू की गहराई से जांच पड़ताल – एक इतिहासकार की नज़र से।

इस अंक में

आपने लिखा.	2	आवर्त सारिणी का इस्तेमाल.	45
शीर्षक, विवाद और विज्ञान.	4	तुमने यह क्या बनाया.	54
प्रजनन शिक्षा के मायने.	13	ज़रा सिर तो खुजलाइए.	60
अगर हाथी केंचुआ होता.	17	सवालीराम.	61
सांस लेने के तरीके.	21	कौन ऐसी महिला है. . . ?.	69
दिमाग के बीच पड़ी एक ग्रंथी.	30	छतन और मास्टर साहब.	86
धरती के चुंबक का असर. . . .	35	ललचाती गंध और.	91